UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Defence & Security · GS - III

जम्मू -कश्मीर जैसे संवेदनशील

क्षेत्रों में IED खतरा आंतरिक
सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती

है। इस चुनौती से निपटने के

उपायों की चर्चा कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 23/10/2026

PAPER

GS - III

SUBJECT

Defence & Security

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

IED खतरा , आतंकवाद -रोधी अभियान , खुफिया जानकारी , सीमा पार
आतंकवाद , बम निरोधक दल, तकनीकी निगरानी , सुरक्षा बलों का
समन्वय , नागरिक सुरक्षा , स्थानीय समुदाय की भागीदारी।

Model Answer

भूमिका :

जम्मू -कश्मीर में संदिग्ध IED और हथियारों की बरामदगी आतंकवाद तथा
हिंसक गतिविधियों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती
है।

प्रमुख चुनौतियाँ :

नागरिकों की सुरक्षा : IED से जनहानि और सार्वजनिक बुनियादी
ढाँचे को नुकसान हो सकता है।
आतंकवादी नेटवर्क : हथियारों और विस्फोटकों की उपलब्धता
सुरक्षा बलों के लिए चुनौती पैदा करती है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

पहचान में कठिनाई : छिपाए गए विस्फोटकों
का समय रहते पता लगाना कठिन हो सकता है।

निवारण के उपाय :

खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के
बीच बेहतर समन्वय।
आधुनिक विस्फोटक -पहचान उपकरणों और बम
निरोधक दलों की क्षमता बढ़ाना।
संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी तथा
समयबद्ध तलाशी अभियान।
स्थानीय समुदायों का विश्वास जीतना और
संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने को
प्रोत्साहित करना।

निष्कर्ष :

प्रभावी आतंकवाद -रोधी रणनीति के लिए
खुफिया जानकारी , तकनीकी क्षमता , सुरक्षा
बलों का समन्वय और नागरिकों की सुरक्षा को
समान महत्त्व देना आवश्यक है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias